वर्ष 2021-22 में करोड़ का कारोबार

कंपनियों को पीछे छोड़ नई ऊंचाई की हासिल

वित्त वर्ष 2020-21 से 20.54% की वृद्धि

इस प्रकार खादी ने वित्त वर्ष 2020-21 से 20.54 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 2014-15 की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 में खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्रों में कुल उत्पादन में 172 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई है। इसी अवधि के दौरान सकल बिक्री में 248 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। खादी का यह बड़ा कारोबार कोरोना महामारी की दूसरी लहर के कारण पहले 3 महीनों में यानी वर्ष 2022 में अप्रैल से जून तक देश में लॉकडाऊन के बावजूद हुआ है। सक्सेना ने बताया कि पिछले 8 वर्षों वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2021-22 में खादी क्षेत्र में उत्पादन में 191 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि खादी की बिक्री में 332 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

कुल कारोबार पिछले वर्ष यानी 2020-21 में 95,741.74 करोड़ रुपए की तुलना में 1,15,415.22 करोड़ रुपए रहा है।

सक्सेना ने कहा कि खादी के अभूतपूर्व विकास का श्रेय देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निरंतर किए जा रहे प्रयास को जाता है। 'स्वदेशी' और विशेष रूप से 'खादी' को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री की बार-बार अपील ने चमत्कार किया है। प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्थानीय के लिए मुखर' के आह्वान का लोगों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया है। नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में अपने प्रमुख स्टोर पर खादी की एक दिन की बिक्री भी 30 अक्टूबर 2021 को 1.29 करोड़ रुपए के उच्च स्तर पर पहुंच गई।

के.आर. मंगलम यूनिवर्सिटी में कोरोना महामारी से लड़ने का सीक्रेट प्लान तैयार

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (सवेरा): कोरोना महामारी इस सदी की अब तक की सबसे विकट मानवीय आपदा है जिसके समक्ष शक्तिशाली देशों ने भी घुटने टेक खुद को पूरी तरह असहाय पाया है। इस महामारी ने न केवल करोड़ों लोगों की जान ली, बल्कि कई देशों में पूरे स्वास्थ्य व्यवस्था को ही चरमरा दिया। प्रो. अरुण गर्ग (डीन स्कूल ऑफ मैडीकल एंड एलाइड साइंस) ने बताया कि यद्यपि पिछले गत 2-3 वर्षों में टीकाकरण के बाद भी पूरा विश्व हो इस महामारी से उभरने की कोशिश में मगर बार-बार वायरस में होने वाले संरचनात्मक बदलाव ने वैज्ञानिकों के समक्ष अविश्वास पैदा किया कि क्या टीका वास्तव में वायरस से बचाव के प्रति सफल साबित हो पाएगा? इसलिए अब के.आर. मंगलम यूनिवर्सिटी में जबा वैज्ञानिकों का ध्यान किसी ऐसे सटीक इलाज की खोज की तरफ है जो इस वायरस से होने वाले संक्रमण और नुकसान दोनों से बचाव में सफल हो सके।

विश्व भर के वैज्ञानिकों ने

अब जल्द कोरोना पर होगा दो तरफा वार

ध्यानपूर्वक वायरस पर संरचना और व्यवहार तक के असर को बहुत बारीकी से अध्ययन किया है।

इसी विषय पर स्कूल ऑफ मैडीकल एंड एलाइड साइंसेज, के.आर. मंगलम यूनिवर्सिटी सोहना रोड गुरु ग्राम, हरियाणा द्वारा कोरोना वायरस में इस्तेमाल होने वाली दवाओं और उन पर चल रही शोध चर्चा के लिए डी.एस.टी. (एम.ई.आर. बी.) के सहयोग और आई.पी.जी.ए. के वित्त पोषित के साथ एक राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन 29 अप्रैल को के.आर. मंगलम वर्ल्ड स्कूल में करवाया। मुख्यातिथि डा. एस. ईश्वर रेड्डी, संयुक्त औषधि नियंत्रक प्रो. सी.एस. दुबे कुलपति के.आर.एम.यू., प्रो. पुष्पलता त्रिपाठी, प्रो-वाइस चांसलर, के.आर.एम.यू., डा. अरुण गर्ग संयोजक के साथ आयोजन सचिव डा. मनीष पाल सिंह आदि ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया।

...में भारतीय ...12 साल

...दर 6.6 फीसदी

...रहा है और इससे उत्पन्न ... की राह बनाने की आशंका ... वृद्धि दर 6.6 फीसदी (2012- ...) के आसपास थी। मंदी के ... 2016-17 में चक्रवृद्धि ...20-21 के लिए वास्तविक ... के लिए 6.9 फीसदी और ... दर को देखते हुए अनुमान है ...34-35 तक कर पाएगा।'

...ने भी महामारी के मुताबिक ...प्रभाव आए। रिपोर्ट कहती है कि ...20-21 की पहली तिमाही में ... की पहली लहर आने से ...व्यवस्था में गहरा संकुचन आया ...हालांकि उसके बाद अर्थव्यवस्था ...गति पकड़ ली थी।

22वीं राष्ट्रीय रेल परिवहन संगोष्ठी का उद्घाटन

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (सवेरा): सीटीआरएएम (सैंटर फॉर ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च एंड मैनेजमेंट) द्वारा 29 अप्रैल को यहां मजबूत और जीवंत अर्थव्यवस्था के लिए रेलवे का लाभ उठाने पर 22वीं राष्ट्रीय रेल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्घाटन एस.के. मोहंती, सदस्य संचालन और व्यवसाय विकास रेलवे बोर्ड द्वारा किया गया। इस अवसर पर जया वर्मा सिन्हा, अतिरिक्त सदस्य/यातायात रेलवे बोर्ड और राकेश टंडन, ईडी/सीटीआरएएम और श्रीप्रकाश, पूर्व सदस्य/यातायात रेलवे बोर्ड भी उपस्थित थे। इस संगोष्ठी में वरिष्ठ अधिकारीगण एवं आईआरटीएस प्रोबेशनर भी उपस्थित थे। मुख्य अभिभाषण एसके मोहंती, सदस्य ओबीडी, रेलवे बोर्ड द्वारा दिया गया और उन्होंने वरिष्ठ वक्ताओं, प्रतिनिधियों, उद्योग के प्रतिभागियों, प्रैस और मीडिया के सदस्यों की बड़ी सभा को संबोधित किया। भारतीय रेल राष्ट्र और भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा है, क्योंकि यह कोयला, लौह अयस्क, उर्वरक और खाद्यान्न जैसी सामग्री के परिवहन द्वारा आर्थिक विकास की सुविधा प्रदान करती है। एसके मोहंती ने कहा कि यह छोटे गांवों और शहरी महानगरों दोनों में लोगों के जीवन को स्पर्श करता है और शहरीकरण तथा समावेशी विकास जैसी सामाजिक ताकतों के विकास में सहायता करता है। वर्ष 2021-22 में गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल नीति जैसी ऐतिहासिक नीतियां जारी की गई हैं, जिन्होंने निजी साइडिंग और निजी फ्रेट टर्मिनल नीति को बदल दिया है और फ्रेट टर्मिनल के निर्माण के लिए रेलवे भूमि के उपयोग की अनुमति दी है।

शैल 1.55 अरब डॉलर में करेगी स्प्रिंग एनर्जी का अधिग्रहण

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजैंसी): तेल व गैस क्षेत्र की बहुराष्ट्रीय कंपनी शैल भारत स्थित नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी स्प्रिंग एनर्जी का अधिग्रहण करेगी। ये अधिग्रहण समझौता 1.55 अरब डॉलर का है। रिपोर्ट के अनुसार शैल पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से अपने कारोबार को कम कार्बन उत्सर्जन वाले स्रोतों की ओर शिफ्ट करना चाहती है। वह साल 2050 तक जीरो कार्बन उत्सर्जन वाली कंपनी बनना चाहती है। शैल ने कहा कि वह ब्रिटेन आधारित निवेशक एक्टिस से स्प्रिंग एनर्जी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी सोलेनर्जी पावर की शत फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। यह डील साल के अंत तक पूरी हो जाएगी।

...का निभाई

...न्य रिपोर्ट में ...ई थी, हमने ... मामलों में ... तिमाही में वृद्धि ... जिसमें ... में संपर्क रहित ... मौलिक बदलाव

चीन में लॉकडाऊन के कारण एप्पल को हो रहा भारी नुक्सान

सान फ्रांसिस्को, 30 अप्रैल (एजैंसी): चीन में चल रहा कोविड-19 लॉकडाऊन अप्रैल-जून तिमाही के लिए एप्पल के राजस्व में भारी सेंध लगाने के लिए तैयार है, क्योंकि कंपनी ने विशेष रूप से शंघाई में लॉकडाऊन के कारण बिक्री में 8 बिलियन डॉलर के नुक्सान का संकेत दिया है। निक्केई एशिया की रिपोर्ट के अनुसार जैसा कि शंघाई ने लॉकडाऊन के दूसरे महीने में प्रवेश किया और चीन के अधिक शहरों में महामारी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा, इससे देश में एप्पल उत्पादों की मांग और धीमी हो सकती है। रिपोर्ट में कहा कि एप्पल के 200 मुख्य आपूर्तिकर्ताओं में से आधे से अधिक के पास शंघाई और आसपास के क्षेत्रों में सुविधाएं हैं। शुक्रवार को रिपोर्ट में कहा, 'लॉकडाऊन और यातायात प्रतिबंध इस क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियों के व्यापक स्तर को बाधित करते हैं।' आईफोन निर्माता को उद्योगव्यापी सिलिकॉन की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है, जो चालू तिमाही में जारी रहेगा।

Advertisement

लाख
के

रण
140 केंद्रों पर
लाकर 7266
1174 लोगों
को दूसरा और
त लगाई।
को 894
टीका

केशोरों को
टीका लगाया।
को पहला,
को सतर्कता

सतर्कता डोज

को सतर्कता

लोगों को

स्थ्य विभाग
ग नहीं किया

कोरोना की दवा पर चल रहे शोध पर हुई चर्चा

वि. गुरुग्राम : सोहना रोड स्थित केआर मंगलम विश्वविद्यालय में कोरोना वायरस में इस्तेमाल होने वाली दवाओं और उन पर चल रहे शोध के लिए डीएसटी (एसईआरबी) के सहयोग और आइपीजीए के वित्त पोषित के साथ एक राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन हुआ। इसमें देश-विदेश के करीब 500 वैज्ञानिकों ने विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र सरकार के संयुक्त औषधि नियंत्रक डा. एस ईश्वर रेड्डी, केआर मंगलम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सीएस दुबे, प्रो-चांसलर प्रो. पुष्पालता त्रिपाठी, संयोजक डा. अरुण गर्ग तथा आयोजन सचिव डा. मनीष पाल सिंह ने दीप प्रज्वलन कर किया।

इस कार्यक्रम में औषधि नियंत्रण विभाग के प्रमुख डा. अतुल कुमार नासा तथा मर्केंटाइल्स (पी) लिमिटेड के निदेशक सीकरी ने कोविड-19 के उपचार में शामिल पेचीदगियों के बारे में चर्चा की। उन्होंने शोध कार्य को लेकर संतोष जताया। पाथकाइंड लैब के सलाहकार निदेशक डा. अशोक रतन, डीआरडीओ के पूर्व निदेशक डा. राकेश शर्मा, जेरियाट्रिक मेडिसन न्यूयार्क के डा. धीरज कौल और डा. संदीप शर्मा ने भी विचार रखे।

अधिवक्ता वे

जासं, गुरुग्राम: सेव
ने शिकायत में क
था। वर्ष 2018 में
के झुंझुनू जिले के
मनीष चौधरी से व
डीएलएफ फेज-दे
में आकर योगेश ने
बाद में कहा कि
देने की बात कहीं
को कहा तो दिनव
होगी, उन्हें दी ज
खाली कर दिया ह

TODAY
92% Gol
7
+1
OM S
Krishr
A-5/25, L

over Delhi
00*
Per 10g
T Gold Rate
Testing

WE AR
A Reputed Media
Energetic, Enthu